सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 210 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 6 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

किसी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देना इतना मुश्किल नहीं है, लेकिन उस इंसान को खोज पाना मुश्किल है जो आपके कुर्बानी का सम्मान करे।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

बच्चों के लिए मैं और विराट दोनों... 6 | महाराष्ट्र में सत्ता संग्राम में दिखा... 3 | दलित वोट बैंक को सहेजने का... 2

फिर पलट सकती है बिहार की सियासत!

जदयू और बीजेपी बोले- हम एकजुट व हमारा गठबंधन मजबूत है

भाजपा हुई चौकन्नी, नड्डा पहुंचे पटना

» बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष व दोनों डिप्टी सीएम भी रहे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एकबार फिर सियासत पलट सकती है। दरअसल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने हाल में ही मुलाकात की थी। यह मुलाकात 8 महीने के बाद हुई थी। इस मुलाकात के बाद लगातार राजनीतिक गलियारों में नीतीश कुमार के अगले कदम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई। इन सबके बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पटना पहुंच गए हैं।

हालांकि, भाजपा और जदयू की ओर से बार-बार यह दावा किया जाता है कि हमारा गठबंधन मजबूत है और हम एकजुट होकर सरकार चला रहे हैं। कई विकास योजनाओं की शुरुआत करने के लिए नड्डा पटना पहुंचे। वहां पहुंचने के साथ ही उन्होंने सबसे पहले नीतीश कुमार के आवास का रुख किया। वहां नीतीश कुमार से मुलाकात हुई। इस दौरान बैठक बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, दोनों उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी तथा स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे मौजूद रहे। इस मुलाकात के बाद जिस तरीके की तस्वीर सामने आई है, उसे साफ तौर पर लग रहा है कि अच्छे माहौल में बातचीत हुई है। गठबंधन मजबूती के साथ बिहार में चलता रहेगा। नीतीश कुमार लंबे समय के बाद किसी मंच से लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन के समापन पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के लिए जनता से अपील की कि वह उनका स्वागत करें। पटना में जन्म लेने वाले नड्डा के कामों की तारीफ करते हुए नीतीश ने भीड़ की ओर आवाज लगाते हुए हाथों से इशारा करते हुए कहा- अरे, खड़े क्यों हो? आगे आकर स्वागत करो नड्डा जी का।

नीतीश और तेजस्वी की मुलाकात के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म

हमसे गलती हुई, दो बार उधर चले गए : नीतीश

सीएम ने कहा कि 2005 से पहले स्वास्थ्य की हालात खराब थी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रति माह 39 मरीज आते थे। हमलोग आए तो अस्पताल में मुफ्त दवा की व्यवस्था करवाई गई। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 11 हजार से ज्यादा मरीज आते हैं। अब बताइए पहले क्या करते थे वो लोग? हमसे गलती हुई कि हम दो बार उधर चले गए। आप बताइए, कोई काम किया है क्या वह लोग! 1990 से 2005 तक क्या हाल था? हमलोग अब बिहार के सभी अस्पताल में बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने की कोशिश कर रहे हैं। पीएमसीएच के लिए काम करवा रहे हैं। हमलोग (भाजपा-जदयू) जब साथ रहे, तभी काम किए। उन लोगों के साथ दो बार गए थे, गलती हुई।

हम जो कहते हैं वह कर के दिखाते हैं : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा कि हम जो कहते हैं वह कर के दिखाते हैं। हम कहे थे कि दस लाख नौकरी देंगे लेकिन उपमुख्यमंत्री रहते हुए पांच लाख नौकरी दिलवाए। चाचा कहते रहे कि कहाँ से लाएगा पैसा अपने बाप के यहां से पैसा लायेगा? तो कैसे मिल गई नौकरी? उन्होंने कहा कि लालू जी ने कई लोगों को मंत्री बनाया, कई लोगों को विधायक बनाया।लेकिन कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए बदनाम करते रहते हैं। इसलिए मैं अब सबको गोलबंद होने की जरुरत है। हमलोग अब एक-दूसरे से कभी नहीं लडेंगे, क्यों कि आज से यादव और कुशवाहा दोनों भाई-भाई हैं।

राजद की याचिका पर एनडीए सरकार को सुप्रीम नोटिस

» आरक्षण बढ़ाने वाला कानून रद्द करने के हाईकोर्ट के फैसले को दी है चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की याचिका पर केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। दरअसल, याचिका में पटना हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें बिहार सरकार की ओर से शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक नौकरियों में एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 फीसदी करने के फैसले को खारिज कर दिया था। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने राजद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन की इस दलील पर संज्ञान लिया कि याचिका पर फैसला किए जाने की आवश्यकता है। वहीं, शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी किया और लंबित याचिकाओं के साथ इसे भी जोड़ दिया।

पटना हाईकोर्ट के निर्णय पर रोक लगाने से किया था इनकार

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 29 जुलाई को इसी तरह की 10 अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट ने 20 जून को बिहार सरकार की ओर से शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक नौकरियों में एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 फीसदी करने के फैसले को खारिज कर दिया था।

जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट छापने वाला एकमात्र राज्य बिहार

याचिका में यह भी कहा गया था कि बिहार एकमात्र राज्य है जिसने यह अभ्यास किया और पूरी आबादी की सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक स्थितियों पर अपनी जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रकाशित की। राज्य ने कहा था कि उसने इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुपालन किया है और फिर आरक्षण अधिनियमों में संशोधन किया है।

संदीप घोष को सुप्रीम कोर्ट का झटका, खारिज की याचिका

» आरजी कर वित्तीय अनियमितता मामले में सुनवाई, कोर्ट ने पक्षकार बनाने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में वित्तीय अनियमितता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की याचिका खारिज कर दी है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले की वजह से बीते कई दिनों से चर्चा में बना हुआ है।

डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले के बीच ही मेडिकल कॉलेज में वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप लगे। इन आरोपों के केंद्र में आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष थे। हाईकोर्ट ने वित्तीय अनियमितता मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी। हाईकोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में वित्तीय अनियमितता के मामले की जांच को सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश को संदीप घोष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

विनेश और बजरंग ने थामा कांग्रेस का हाथ

» आप नेता राजेंद्र पाल गौतम भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने आम आदमी को बड़ा झटका दे दिया है। कांग्रेस मुख्यालय में दिल्ली विधायक राजेंद्र पाल गौतम कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। वहीं खबर है कि दोपहर में पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। दोनों पहलवानों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इससे पहले विनेश ने रेलवे से इस्तीफा दे दिया। उधर राजेंद्र पाल गौतम पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, पार्टी के दिल्ली प्रमुख देवेंद्र यादव और पार्टी नेता पवन खेड़ा की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हुए।

सीमापुरी से विधायक राजेंद्र पाल गौतम ने आम आदमी पार्टी के सभी पदों और सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सामाजिक न्याय व सभी क्षेत्रों में बहुजन समाज की हिस्सेदारी तथा भागेदारी के संघर्ष को गतिमान करने के लिए मैं आम आदमी पार्टी के सभी पदों व सदस्यता से इस्तीफ़ा दे रहा हूँ ! जय भीम।

कांग्रेस-आप गठबंधन पर लग सकती है मुहर

इस बैठक में ही तय होगा कि गठबंधन होगा या नहीं, अगर होगा तो कितनी और कौन सी सीटों पर यह समझौता होगा। राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक के बाद ही सूची जारी होगी। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा कि अभी सूची आने में एक से दो दिन लग सकते हैं। कांग्रेस हाईकमान हरियाणा में गठबंधन की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहती है। इसके चलते गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ सीट आवंटन को लेकर फार्मूले पर शुक्रवार को अंतिम मुहर लगाने की उम्मीद है।

दलित वोट बैंक को सहेजने का बढ़ा दबाव

» कांग्रेस, भाजपा ने दलितों को अपने पाले में खींचने की बनाई रणनीति

» मायावती वोट बैंक की वापसी के लिए मैदान में

» अखिलेश यादव व चंद्रशेखर वोटरों को रिझाने में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनावी मौसम फिर से रंग दिखाने लगा है। हरियाणा व जम्मू-कश्मीर सभी पार्टियों की नजर दलित वोट बैंक पर है। जबसे लोक सभा चुनाव में कांग्रेस को दलित वोट मिले हैं वह उसे अपने साथ रोकने का हर कोशिश में जुटी है। वहीं दलित वोट बैंक पर अपना दावा करने वाली मायावती भी इस बड़े वोट बैंक को अपने पाले में फिर करने को आतुर हैं। वहीं भाजपा व सपा जैसी पार्टियों की नजर भी इस वोट बैंक पर है। उधर चंद्रशेखर आजाद जैसे युवा नेता भी दलितों के मसीहा बनने के लिए बेताब हैं। अब आगे आने वाले चुनावों के परिणाम बताएंगे कि किसकी झोली भरती है और किसकी खाली रहती है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की रैलियों की डिमांड बढ़ती जा रही है। बसपा ने कई जिलों में मायावती की रैलियों का कार्यक्रम तय करना शुरू कर दिया है। इसमें अंबाला, पलवल, सिरसा और जींद शामिल हैं। इन रैलियों की तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। जम्मू-कश्मीर में भी मायावती चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगी।

दरअसल, दोनों राज्यों में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) बसपा को कड़ी चुनौती पेश कर रही है। इससे दलित वोट बैंक में बंटवारे की संभावना है। खासकर हरियाणा में बसपा-इनेलो गठबंधन के लिए मुश्किल का सबब बन सकता है।

यही वजह है कि वोट हासिल करने के लिए लुभावनी घोषणाओं से दूर रहने वाली बसपा हरियाणा में बेरोजगारी भत्ता, महिलाओं को रसोई खर्च के पैसे, हर माह मुफ्त सिलेंडर जैसी योजनाओं के जरिये वोटरों को लुभा रही है।

आजाद समाज पार्टी ने हरियाणा में जननायक जनता पार्टी के साथ गठबंधन किया है। दोनों गठबंधन के प्रत्याशियों की घोषणा भी की जा रही है। बसपा ने हरियाणा चुनाव की कमान नेशनल को-आर्डिनेटर आकाश आनंद को सौंप रखी है तो आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद खुद मोर्चा संभाले हैं। इसमें बसपा के पूर्व एमएलसी सुनील चित्तौड़ अहम भूमिका निभा रहे हैं। चित्तौड़ हरियाणा और पश्चिमी उप्र में बसपा नेताओं को तेजी से आजाद समाज पार्टी के साथ जोड़ रहे हैं।

चंद्रशेखर आजाद ने संभाला मोर्चा

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा में इजाफा किया गया है। जम्मू-कश्मीर में प्रचार के दौरान उन्हें जेड प्लस सुरक्षा दी जाएगी। हालांकि, इसे भी सियासत से जोड़कर देखा जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में दलित वोट बैंक पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश में जुटे दलों की राह में आजाद समाज पार्टी रोड़ा अटका सकती है।

सपा पर बढ़ जाएगा दबाव

वहीं आगामी उपचुनाव में सीटों को बंटवारे को लेकर दोनों दलों में अभी सहमति नहीं बन सकी है। कांग्रेस अगर दलित नेताओं को अपने पाले में करने में सफल रही तो यह सपा के साथ सीटों के बंटवारे में कारगर साबित हो सकता है। साथ ही पार्टी को यूपी में अपना खोया हुआ जनाधार भी वापस दिलाने में मदद कर सकता है।

कांग्रेस का दलित प्रेम देख बसपा सतर्क

लोकसभा चुनाव में अपने कैडर वोट बैंक का नुकसान सहने वाली बहुजन समाज पार्टी के लिए प्रदेश में कांग्रेस बड़ा खतरा बनती जा रही है। कांग्रेस ने बसपा नेताओं को अपने पाले में करने की रणनीति बनाई है, जिससे दलित वोट बैंक पर करीब चार दशक पुराना उसका वर्चस्व दोबारा स्थापित हो सके। कांग्रेस की इस रणनीति से बसपा यूपी में और कमजोर होगी, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का पलड़ा सपा पर भारी होता जाएगा। बता दें कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने हाल ही में अपनी पार्टी के उन नेताओं को सख्त चेतावनी दी है कि वह आरक्षण के उप-वर्गीकरण और क्रीमीलेयर के मुद्दे पर कांग्रेस की विचारधारा का समर्थन नहीं करे। ऐसा करने वालों को पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक मायावती की इस चेतावनी की वजह बसपा नेताओं में कांग्रेस के प्रति बढ़ता आकर्षण माना जा रहा है। लोकसभा में करारी शिकस्त के बाद पार्टी नेताओं को बसपा के दोबारा सियासत में आने की संभावना खत्म होती दिख रही है। यही वजह है कि वह अपने राजनीतिक सफर को जारी रखने के लिए कांग्रेस के साथ जा सकते हैं। बीते दिनों बस्ती और चित्रकूट में बसपा नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है, जो बसपा के लिए नुकसान का सबब बन गया।

शर्मसार : उज्जैन में अधेड़ महिला से खुलेआम दुष्कर्म

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के ट्वीट से मच रहा बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। उज्जैन को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक युवक अधेड़ महिला के साथ दुष्कर्म करता दिखाई दे रहा है।

इस वीडियो के वायरल होते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला के बयान लिए, मेडिकल करवाया और बीएनएस की धारा 64 व धारा 353 में प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपी को आधे घंटे में गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में पेश कर उसे जेल भी भेज दिया। इस पूरे घटनाक्रम को घटित हुए लगभग 18 घंटे बीतने के बाद अब इस मामले में बवाल मचा हुआ है, क्योंकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मामले में ट्वीट पर राज्य सरकार पर तीखा निशाना साधा है।

अवैध डेयरी हटाने गई टीम के साथ मारपीट

» नगर निगम द्वारा पकड़े गए जानवरों को भी छुड़ा ले गए सपा पार्षद पंकज यादव

» थाने में दी गई तहरीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अवैध डेयरी हटाने गई नगर निगम की टीम के साथ मारपीट की। यहीं नही टीम द्वारा पकड़े गए जानवरों को भी छुड़ा लिया गया। सपा के पार्षद पंकज यादव और उनके सहयोगियों पर नगर निगम कर्मचारियों ने मारने और गाड़ी से जानवर छुड़ाने का आरोप लगाया है। नगर निगम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिनव वर्मा ने बताया कि पार्षद और उनकी टीम ने ड्राइवर, हेल्पर और बाकी कर्मचारियों को मारा है।

पार्षद पंकज यादव

अब इस पूरे मामले में नगर निगम की तरफ से गुडंबा थाने में तहरीर दी गई है। दरअसल, कोर्ट के आदेश के बाद नगर निगम की टीम शहरी इलाके में अवैध डेयरियों को हटाने का अभियान चलाती है।

शुक्रवार को इसी क्रम में कंचना बिहारी मार्ग स्थित आदिल नगर में टीम गई थी। सुबह पहुंची टीम ने 12 भैंस और 4 गाय को जब्त कर लिया। सभी को नगर निगम की गाड़ी में डाल दिया गया। लेकिन उसी दौरान चलते समय पार्षद और उनके लोग आ गए।

दो सौ से ज्यादा लोगों ने कर्मचारियों को घेरकर लाठी-डंडों से पीटा

बताया जा रहा है कि जानवर छोड़ने के लिए कहा गया। लेकिन कर्मचारियों ने ऐसा करने से मना कर दिया तो मौके पर ही डंडे से पिटाई शुरू की दी। स्थानीय लोगों के साथ मिलकर पूरे नगर निगम की टीम को घेर लिया। करीब 200 से ज्यादा लोगों ने पूरी टीम को घेर लिया। जानवर न छोड़ने पर और ज्यादा मारने की बात कही गई। इस यह मौके से करीब 70 फीसदी कर्मचारी डर से भाग खड़े हुए। गाड़ी रोकी गई और आराम से एक - एक जानवर को छुड़ाया गया।

नगर निगम और थाने की पुलिस रही मौन

अभियान के दौरान नगर निगम प्रवर्तन दल और स्थानीय थाने की पुलिस हर वक्त मौके पर साथ रहती है। लेकिन जब कर्मचारियों को पीटा जा रहा था तो किसी ने उनको छुड़ाया तक नहीं है। बताया जा रहा है कि यह लोग मौन तरीके से वहां मौजूद रहे। जबकि प्रवर्तन दल में कई सेना से रिटायर कर्मचारी है। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं।

जन्मतिथि परिवर्तन नोटिस

यह सूचित किया जाता है कि मैं, मनोज पाण्डेय पुत्र श्री दिवाकर पाण्डेय निवासी शंकरपुरवा, जाहिरापुर कालोनी, कुर्सी रोड, विकास नगर, लखनऊ अपनी पुत्री शुभि पाण्डेय की जन्मतिथि जो कि स्कूल के रिकार्ड में गलत है, उसमें आधार के हिसाब से परिवर्तन कर रहा हूँ और यह सूचित करता हूं कि पुत्री की जन्मतिथि दिनांक वास्तव में 08.10.2013 ही है।

गलत जन्मतिथिः 08.10.2011,
सही जन्मतिथिः 08.10.2013

यह परिवर्तन हमारे आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज त्रुटि को सुधारने के लिए किया गया है।

कृपया सभी संबंधित संस्थाओं और प्राधिकृत अधिकारियों से अनुरोध है कि वे अपने रिकार्ड में आवश्यक सुधार करें।

मनोज पाण्डेय
पुत्र श्री दिवाकर पाण्डेय
निवासी शंकरपुरवा, जाहिरापुर कालोनी,
कुर्सी रोड, विकास नगर, लखनऊ

मैंने पहले भी कहा था कांग्रेस कर रही है साजिश : बृजभूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने अपने ऊपर महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर बात की है। गोंडा में एक सार्वजनिक कार्यक्र म में बोलते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि जब मुझ पर आरोप लगे तो मैंने कहा कि ये कांग्रेस, दीपेंद्र हुड्डा और भूपेन्द्र हुड्डा की साजिश है।

ये मैंने पहले भी कहा है और आज देश कह रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब मुझे इस बारे में कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है। गौरतलब है कि बीजेपी नेता पहले भी कांग्रेस और उसके नेताओं पर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगा चुके हैं। उस समय बृजभूषण शरण सिंह ने यह भी दावा किया था कि उनके पास इसे साबित करने के लिए ऑडियो क्लिप हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब माना जा रहा है कि महिला पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया हरियाणा विधानसभा चुनाव के दंगल में उतर सकते हैं।

महाराष्ट्र में सत्ता संग्राम में दिखा 'बदलाव'

महायुति व महाविकास अगाड़ि में जंग तेज

- पवार के झटकों से चित हुई भाजपा
- कांग्रेस ने शुरू किया राज्य में दौरों का दौर
- शिवसेना के दोनों गुट भी सक्रिय
- शरद पवार के राजनीतिक पैंतरेबाजी भांप नहीं पा रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। जैसे-जैसे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राज्य में गठबंधनों में तेजी से और गतिशील बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कोल्हापुर में भाजपा को बड़ा झटका लगा, जब कागल राजघराने के समरजीत सिंह घाटगे पार्टी प्रमुख शरद पवार की मौजूदगी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) में शामिल हो गए। इस घटनाक्रम से पश्चिमी महाराष्ट्र में राजनीतिक गतिशीलता में बदलाव आने की उम्मीद है, खासकर कागल निर्वाचन क्षेत्र में, जहां घाटगे के लंबे समय से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हसन मुश्रीफ का दबदबा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी वहां का दौरा शुरू कर दिया है। सांगली में अपनी सभा में उन्होंने भाजपा व महायुति सरकार को जमकर घेरा। वहीं उद्धवगुट शिवसेना ने कहा है कि चुनावों के बाद सीएम पद के मुद्दे पर बात बन जाएगी। मुख्यमंत्री वही बनेगा जो राज्य के लोगों की पसंद होगा। उधर भाजपा नेता देवेन्द्र फणनवीस पर पूर्व गृहमंत्री व एनसीपी नेता अनिल देशमुख का हमला जारी है। उन्होंने कहा कि फणनवीस विपक्षी नेताओं के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। 1999 से पांच बार विधायक रहे मुश्रीफ वर्तमान में एनसीपी के अजित पवार गुट के साथ हैं। घाटगे को अपने पाले में लाने वाले शरद पवार के राजनीतिक पैंतरेबाजी को मुश्रीफ के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, खासकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ घाटगे की पिछली निकटता को देखते हुए। घाटगे का सहकारी क्षेत्र में व्यापक अनुभव है और वे छत्रपति शाहू मिल्क एंड एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने पुणे म्हाडा (महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण) के अध्यक्ष का पद भी संभाला है। फडणवीस के करीबी माने जाने वाले घाटगे का शरद पवार की एनसीपी में जाना महायुति गठबंधन द्वारा कागल निर्वाचन क्षेत्र को मुश्रीफ को आवंटित करने के निर्णय की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

अहमदनगर में अजित पवार को झटका?

अहमदनगर में कोपरगांव विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक साज़िश चल रही है। मौजूदा विधायक आशुतोष काले, जो वर्तमान में अजित पवार के एनसीपी गुट के साथ गठबंधन कर रहे हैं, ने महायुति गठबंधन के सदस्य भाजपा नेता विवेक कोल्हे के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।हाल ही में पुणे में दोनों के बीच हुई मुलाकात के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कोल्हे शरद पवार की एनसीपी में शामिल हो सकते हैं।कोल्हे की मां स्नेहलता कोल्हे ने 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, लेकिन आशुतोष काले से हार गई थीं। अब, शरद पवार की इस क्षेत्र में एक मजबूत उम्मीदवार को मैदान में उतारने की इच्छा के चलते विवेक कोल्हे को एनसीपी का टिकट दिया जा सकता है, जिससे इस क्षेत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और भी तेज हो जाएगी।

सतारा पर ध्यान केंद्रित कर रहे एनसीपी (शरद पवार गुट) नेता

कोल्हापुर में घाटगे को सुरक्षित करने के बाद, शरद पवार का ध्यान सतारा जिले पर चला गया है। वरिष्ठ नेता कथित तौर पर पूर्व कांग्रेस नेता प्रतापराव भोसले के बेटे मदन भोसले पर नज़र रख रहे हैं, जो शरद पवार की राजनीति के कट्टर विरोधी थे। भोसले, जो 2004 में वाई निर्वाचन क्षेत्र से विधायक थे, को शरद पवार के करीबी सहयोगी मकरंद पाटिल ने हाशिए पर डाल दिया है। हालांकि, मकरंद पाटिल के अब अजित पवार के खेमे में जाने के बाद, शरद पवार की एनसीपी मदन भोसले को वापस अपने पाले में लाने के प्रयास कर रही है। भोसले 2019 में भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन हाल ही में उनके और एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल के बीच हुई मुलाकात से पता चलता है कि एनसीपी आगामी चुनावों में उनके प्रभाव का लाभ उठाने की इच्छुक है। पुणे के भाजपा नेता बातचीत कर रहे हैं पुणे जिले में, इंदापुर तहसील से भाजपा नेता हर्षवर्धन पाटिल भी कथित तौर पर शरद पवार के संपर्क में हैं। अजित पवार के करीबी सहयोगी दत्ता मामा भरणे के खिलाफ चुनावी हार का सामना करने वाले पाटिल को देवेंद्र फडणवीस के साथ अपने करीबी संबंधों के लिए जाना जाता है। हालांकि, भाजपा से राजनीतिक पुनर्वास की कमी ने अटकलों को जन्म दिया है कि पाटिल शरद पवार के खेमे में निष्ठा बदल सकते हैं। दोनों नेताओं को हाल ही में पुणे के वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट में एक बैठक के दौरान राजनीतिक चर्चा करते हुए देखा गया, जिससे इन अफवाहों को बल मिला।

सोलापुर में भी राजनीतिक बदलाव

सोलापुर जिले के करमाला विधानसभा क्षेत्र में विधायक संजय शिंदे के अजित पवार के साथ गठबंधन ने शिवसेना नेता नारायण पाटिल के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हाल ही में शिवसेना में शामिल हुए पाटिल ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए शरद पवार के उम्मीदवार धैर्यशील मोहिते पाटिल के पक्ष में काम करना शुरू कर दिया है। शरद पवार अब कथित तौर पर करमाला निर्वाचन क्षेत्र से नारायण पाटिल को विधानसभा का टिकट देने पर विचार कर रहे हैं, जो राजनीतिक गठबंधनों में एक और संभावित बदलाव का संकेत है।

राहुल गांधी के दौरे से बीजेपी घबराई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। नेता प्रतिपक्ष के दौर से भाजपा घबरा गई है। सांगली जिले में रैली में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस विचारधारा का गढ़ है, यहां के लोगों में हमारी पार्टी का डीएनए है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति होती थी, लेकिन आज भारत में वैचारिक लड़ाई है। हम सामाजिक प्रगति चाहते हैं लेकिन वे (भाजपा) चाहते हैं कि केवल चुनिंदा लोगों को ही सारा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और हमारा गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि देश में जाति आधारित जनगणना हो। उन्होंने दावा किया कि मैंने लोकसभा में कहा है कि कांग्रेस जाति जनगणना कराएगी। हमारा गठबंधन इसे पूरा करेगा। राहुल ने यह भी पूछा कि मैं जानना चाहता हूं कि शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने पर उनसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा माफी मांगे जाने की क्या वजह थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को प्रतिमा ढहने के लिए न केवल शिवाजी महाराज से, बल्कि महाराष्ट्र के हर व्यक्ति से माफी मांगनी चाहिए।

फडणवीस पर बरसे अनिल देशमुख

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर कथित तौर पर भाजपा नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश करने का मामला दर्ज किया। इस मामले में कथित तौर पर यह आरोप शामिल है कि गृह मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान देशमुख ने जलगांव में पुलिस अधिकारियों पर भाजपा नेता गिरीश महाजन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दबाव डाला था। देशमुख ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह मामला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की साजिश है। राकांपा नेता पहले से ही कथित भ्रष्टाचार के लिए सीबीआई मामले और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज एक अन्य मामले का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा मेरे खिलाफ एक और आधारहीन मामला दर्ज किया गया है। यह साजिश इसलिए शुरू हुई है क्योंकि फडणवीस लोगों के जनादेश को देखकर घबरा गए हैं। मैं इस तरह की धमकियों और दबाव से बिल्कुल भी नहीं डरता। उन्होंने कहा कि उन्होंने भाजपा के दमनकारी शासन के खिलाफ़लड़ने की कसम खाई है। देशमुख ने कहा कि लोगों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि फडणवीस कैसे विकृत और निम्न-स्तरीय राजनीति में लिप्त थे, उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को खड़ा कर दिया और अब विधानसभा चुनाव का इंतजार है। इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि एक समय उद्धव ठाकरे चाहते थे कि देवेन्द्र फड़णवीस के खिलाफ केस दर्ज हो। शिंदे ने कहा कि उन्होंने इस पर आपत्ति जताई थी लेकिन उद्धव ने कहा कि यह जरूरी था क्योंकि फड़णवीस एमवीए सरकार के लिए परेशानी पैदा कर रहे थे।पार्टी नेता जयंत पाटिल ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मामला क्या है, हमारे नेताओं को परेशानी में डालने की कोशिश की जा रही है। मुझे लगता है कि चूंकि चुनाव आ रहे हैं, सरकार को ऐसी चीजें नहीं करनी चाहिए...3-4 साल पुराने मामले पर एफआईआर दर्ज की जा रही है और यह गलत है। पिछले महीने, अनिल देशमुख ने दावा किया था कि फडणवीस ने एमवीए सरकार को गिराने के लिए देशमुख के खिलाफ आरोप लगाने के लिए कहकर मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह को गिरफ्तारी से बचाने की कोशिश की थी। हालाँकि, फडणवीस ने देशमुख के दावों को झूठ बताते हुए खारिज कर दिया, लेकिन अधिक विस्तार से नहीं बताया।

सीएम चेहरे पर चुनाव के बाद में चर्चा करेंगे : राउत

महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का दावा है कि उसमें शामिल तीनों दल भाजपा और शिंदे गुट को हराने के लिए मिलकर चुनाव लड़ेंगे। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जीत का दावा किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि बातचीत बाद में हो सकती है। संजय राउत ने कहा कि हम सभी का पहला मकसद भ्रष्ट महायुति के नेतृत्व वाली सरकार को हटाना है। उन्होंने कहा कि पवार साहब 100 प्रतिशत सही हैं। यह तीन दलों की सरकार है, लेकिन महाराष्ट्र में एमवीए को बहुमत मिल रहा है। हमारा पहला काम मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकना है। हम बाद में किसी भी समय सीएम पद के बारे में बात कर सकते हैं। उनकी टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि उनकी पार्टी ने इस बात पर अपना रुख नरम कर लिया है कि राज्य में अगली सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। पिछले महीने, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सहयोगी दलों - कांग्रेस और राकांपा (सपा) से मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, और राज्य में शीर्ष पद के लिए उम्मीदवार को अपना समर्थन देने की कसम खाई थी। बुधवार को, मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में मौजूद सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि सीएम पद को लेकर एमवीए सहयोगियों के बीच कोई झगड़ा नहीं है। इससे पहले कोल्हापुर में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा इसका फैसला चुनाव नतीजे आने के बाद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एमवीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला इस आधार पर किया जाएगा कि कौन सी पार्टी सबसे अधिक विधानसभा सीटें जीतती है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की संभावना है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पीड़िता के सम्मान का भी रखना होगा ध्यान!

बॉम्बे हाईकोर्ट ने यौन शोषण पीड़िता के पक्ष में एक अहम फैसला दिया है। यह फैसला पीड़िता को सामाजिक स्तर पर उसके सम्मान को बचाने वाला है। कोई भी पीड़िता जहां यौन शोषण की पीड़ा को तो सहन करती है उसे समाज का प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है। सबसे ज्यादा दर्द उसे तब सहना पड़ता है जब वह गर्भवती हो जाती है। अब उम्मीद करनी चाहिए कि इस फैसले के बाद उसकी इच्छा का भी सम्मान परिवार व समाज द्वारा किया जाएगा। दरअसल कोर्ट ने कहा है की किशोरी का अधिकार है, उसे गर्भ रखना है या गर्भपात कराना है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने 17 वर्षीय यौन शोषण पीड़िता की गर्भ रखने की अनुमति भी दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह देखते हुए कि वह उसकी प्रजनन स्वतंत्रता और पसंद के अधिकार के प्रति जानकार है। मामले में न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और नीला गोखले की खंडपीठ ने कहा कि किशोरी ने शुरू में गर्भावस्था को समाप्त करने की मांग की थी, लेकिन बाद में उसने अपने बच्चे को जन्म देने का फैसला किया क्योंकि वह उस व्यक्ति से शादी करना चाहती थी जिसने कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया था।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि हम याचिकाकर्ता के प्रजनन स्वतंत्रता, शरीर पर उसकी स्वायत्तता और उसकी पसंद के अधिकार के प्रति सचेत हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर किशोरी चाहे तो वह 26 सप्ताह की गर्भावस्था को चिकित्सकीय तरीके से समाप्त करने की अनुमति देती है। पीठ ने कहा, हालांकि, चूंकि उसने गर्भावस्था को जारी रखने की अपनी स्वेच्छा और इच्छा भी व्यक्त की है, इसलिए वह ऐसा करने की पूरी हकदार है। बता दें कि पीड़िता किशोरी और उसकी मां को गर्भावस्था के बारे में तब पता चला जब उसे बुखार की जांच के लिए ले जाया गया। इसके बाद में 22 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ उसका यौन शोषण करने का मामला दर्ज किया गया। जिसके बाद पीड़िता ने गर्भपात कराने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया।हालांकि, बाद में किशोरी ने दावा किया कि वह उस व्यक्ति के साथ सहमति से संबंध में थी और उनका इरादा शादी करके बच्चे को पालना था। वहीं नाबालिग लड़की का सरकारी जेजे अस्पताल में डॉक्टरों की एक टीम की तरफ से मेडिकल जांच की गई, जिसने हाईकोर्ट को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कहा गया कि भ्रूण में कोई असामान्यता नहीं थी, लेकिन नाबालिग होने के कारण वह बच्चे को जन्म देने के लिए उचित मानसिक स्थिति में नहीं थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि किशोरी और उसकी मां दोनों ने गर्भावस्था को जारी रखने और इसे रखने की इच्छा जताई है।

अब उम्मीद करनी चाहिए कि इस फैसले के बाद उसकी इच्छा का भी सम्मान परिवार व समाज द्वारा किया जाएगा। दरअसल कोर्ट ने कहा है की किशोरी का अधिकार है, उसे गर्भ रखना है या गर्भपात कराना है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने 17 वर्षीय यौन शोषण पीड़िता की गर्भ रखने की अनुमति भी दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह देखते हुए कि वह उसकी प्रजनन स्वतंत्रता और पसंद के अधिकार के प्रति जानकार है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घातक व असामाजिक हालात बनाता सोशल मीडिया

केपी सिंह

पंजाब के एक विधि महाविद्यालय में नए प्रवेशकों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम में, यह जानना चौंकाने वाला था कि औसत छात्र दिन में सात घंटे से अधिक समय तक सोशल मीडिया (एसएम) पर व्यस्त रहते हैं, जिससे उनके पास खेल, पुस्तकालय और अन्य सामुदायिक व्यस्तताओं और व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए कोई समय नहीं बचता है। यह अनुमान लगाया गया है कि 65 प्रतिशत किशोर सोशल नेटवर्किंग सेवा (एसएनएस) से जुड़े हुए हैं और उनमें से 72 प्रतिशत की इंटरनेट तक सीधी पहुंच है। भारत में सोशल मीडिया खातों और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, 77 प्रतिशत कर्मचारी काम पर सोशल नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करना स्वीकार करते हैं।

नि:संदेह, एसएम उन लोगों को अद्वितीय मंच प्रदान करता है जो अपने सामाजिक नेटवर्क को बढ़ाने, व्यवसाय को बढ़ावा देने और अकेलेपन को दूर करने की इच्छा रखते हैं। यह उन लोगों के लिए अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है जिन्हें कम्पनी की आवश्यकता होती है। एसएनएस सभी को विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को, एक अच्छा समय व्यतीत करने और मनोरंजन का स्रोत प्रदान करता है। बफेलो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार, एसएनएस के अत्यधिक उपायों से उन कॉलेज के छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है जो बड़े पैमाने पर नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करते हैं, उनमें सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) का प्रभाव उच्च स्तर पर होता है, जो मधुमेह और हृदय सम्बन्धी बीमारियों से जुड़ी समस्या का संकेत है। सोशल मीडिया की आदी नई पीढ़ी को 'नीली रोशनी के प्रभाव' से पीड़ित होने का जोखिम अधिक होता है, जो सक्रिय इलेक्ट्रोनिक उपकरणों से उत्सर्जित होती है। यह मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है जो निद्रा और जाग्रत-चक्र या 'सर्केडियन' लय को नियन्त्रित करता है, जिसके परिणामस्वरूप नींद और प्रतिरोधक-क्षमता प्रभावित होती है।

न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन मेडिकल सेंटर में नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ स्टडी (2018) की रिपोर्ट है कि स्क्रीन-टाइम गतिविधियों पर दिन में दो घंटे से अधिक समय बिताने वाले बच्चों ने भाषा और विचार परीक्षणों में कम अंक प्राप्त किए। सात घंटे से अधिक समय तक प्रतिदिन मीडिया स्क्रीन के सम्पर्क में रहने वाले कुछ बच्चों के मस्तिष्क के अवयव के पतले होने का अनुभव किया गया, मस्तिष्क का यह क्षेत्र आलोचनात्मक सोच और तर्क से सम्बन्धित है। 2015 में, मनोवैज्ञानिक मैरियन अंडरवुड और समाजशास्त्री रॉबर्ट फारिस ने तेरह साल के 200 से अधिक छात्रों के लगभग 1.5 लाख सोशल-मीडिया पोस्ट का विश्लेषण किया और पाया कि उन्होंने अपने लिए काफी अलग ऑनलाइन व्यक्तित्व बनाए थे, उन्होंने किसी झिझक और परिणामों या नतीजों के डर के बिना जो कुछ भी करना चाहा उसे करने या कहने की आजादी महसूस की। मीडिया सिद्धांतकार डगलस इस घटना को 'डिजिफ्रेनिया' कहते हैं, जो 'एक ही समय में अपने एक से अधिक अवतारों में मौजूद रहने की कोशिश करने का अनुभव है।' अध्ययनों ने स्थापित किया है कि सोशल मीडिया साइटों से प्राप्त लगातार उत्तेजना मनुष्यों में ध्यान-अवधि को कम करती है, और इसके दूरगामी परिणामों से रूबरू कराती है। ऐसे व्यक्तियों को स्वयं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है, वे विवरण पर कम ध्यान देने के परिणामस्वरूप गलतियां कर सकते हैं, और सामाजिक स्थितियों, कार्यस्थल और शैक्षणिक संस्थानों जैसी परिस्थितियों में खराब प्रदर्शन कर सकते हैं। तुलना मानव स्वभाव में निहित है। सोशल मीडिया पर प्रकाशित नकली वीडियो, प्रायोजित जानकारी,

अव्यावहारिक समाधान और 'शरारतपूर्ण उपाय' इतने मंत्रमुग्ध कर देने वाले होते हैं कि अनजान और निर्दोष उपयोगकर्ता अपने 'वास्तविक जीवन' की तुलना अन्य लोगों के छद्म जीवन से करना शुरू कर देते हैं, जो अन्ततः उन्हें निराश, उदास और आत्म-संदेह से ग्रस्त करता है।

यह दुखद है कि डिजिटल प्लेटफार्म पर अधिकतम 'लाइक्स' प्राप्त करने की दौड़ और सर्वश्रेष्ठ वीडियो और कहानियां बनाने की खोज ने कई भोले-भाले व्यक्तियों को अपने और दूसरों के निजी जीवन के प्रत्येक क्षण को साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर दिया है, जिससे हर कोई उनकी गोपनीयता में घुसपैठ कर रहा है। इससे विभिन्न प्रकार के व्यवहार सम्बन्धी टकराव, सम्बन्धों में कलह और सामाजिक द्वंद्व उत्पन्न हो रहे हैं। ऐसे अबोध ग्राहक यह अन्तर नहीं कर पाते हैं कि दूसरों को प्रभावित करने की बजाय सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों को लाभान्वित करने के लिए सबसे करीबी माध्यम है।

यकीनी बने अफगान महिलाओं के हकों की बहाली तालिबानी शासन

केएस तोमर

अगस्त, 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की सत्ता पर पुन: कब्जा करने के साथ ही, इससे उस देश की महिलाओं का जीवन लगभग अंधकारमय ही हो गया। एक सुनियोजित रणनीति के तहत, तालिबान नेतृत्व ने महिलाओं की स्वतंत्रता और अधिकारों पर हमला किया है। सत्ता में आने के बाद तालिबान ने वादा किया था कि वह सभी को साथ लेकर अफगानिस्तान पर शासन करेंगे, लेकिन समय के साथ उनका यह वादा झूठा साबित हो गया। एक बार फिर से पुरानी निरंकुश व्यवस्था उभर आई है, जिसमें केवल पुरुष प्रधान व्यवस्था का बोलबाला है और महिलाओं को पीछे धकेल दिया गया है। अब अफगान महिलाओं के अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है। महिला अधिकारों की यह स्थिति अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, खासकर अमेरिका के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करती है कि मानवाधिकारों का ढोल पीटने वाला यह ताकतवर राष्ट्र अफगानिस्तान में अपनी नैतिक जिम्मेदारी को कैसे निभाएगा।

अपने आर्थिक, राजनीतिक और व्यावसायिक हितों के कारण चीन और अरब राष्ट्रों ने तालिबान द्वारा महिलाओं पर किए जा रहे अत्याचारों को नजरअंदाज करना स्वीकार कर लिया है। इन देशों के इस निंदनीय रवैये के कारण विश्व के अन्य देशों द्वारा स्थिति सुधारने के प्रयास कमजोर पड़ गए हैं। समय की मांग है कि चीन और तालिबान समर्थक देश अपना रवैया बदलें और तालिबान पर दबाव डालें कि वह महिलाओं के अधिकारों को बहाल करे और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार मिलें। हाल ही में तालिबान ने एक नया आदेश जारी किया है। इसके तहत महिलाओं को घर से बाहर निकलते समय अपना चेहरा, सिर और पूरा शरीर ढकना होगा। उन्हें अपनी आवाज पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा; ऊंची आवाज में बात करने की अनुमति नहीं है। महिलाओं के गाने और ऊंची आवाज में कुरान पढ़ना भी निषिद्ध है। पतले और पारदर्शी कपड़े पहनने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। यह भी कि महिलाएं अपने घर में भी इतनी ऊंची आवाज में बात नहीं करें कि उनकी आवाज बाहर सुनाई दे। इन अमानवीय आदेशों के खिलाफ दुनिया के देशों को मूक दर्शक नहीं बनना चाहिए। इन आदेशों का जोरदार विरोध करना चाहिए।

भारत भी इसमें योगदान दे सकता है और उन प्रताड़ित महिलाओं को राजनीतिक शरण प्रदान कर सकता है जो खतरे में हैं। भारत अफगान महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा के लिए धन मुहैया करवा कर तालिबानी आदेशों के प्रति अपना विरोध दर्ज करवा सकता है। भारत क्षेत्रीय समन्वय के माध्यम से तालिबान पर राजनीतिक और नैतिक दबाव बना सकता है क्योंकि अफगानिस्तान की महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। अफगानिस्तान में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों में भी भारी कटौती की गई है। सरकार के फरमानों के कारण अधिकांश व्यावसायिक व रोजगार के अवसर महिलाओं की पहुंच से बाहर हो गए हैं। महिलाएं अब घर की चारदीवारी के भीतर बंद होकर रह गई हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। बाजार और कार्यालयों में, जहां पहले महिलाओं की उपस्थिति होती थी, वहां अब केवल पुरुष ही नजर आते हैं। पहनावे पर लगे प्रतिबंधों और चेहरा ढका रहने के कारण महिलाएं अपने ही देश में गुमनाम-सी हो गई हैं।

महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली अफगान महिलाओं को हिंसा का शिकार होना पड़ता है और उनके लिए अब सभी रास्ते बंद हो गए हैं। अधिकांश या तो जेलों में बंद हैं या छुपकर डर के माहौल में जी रही हैं। जिन महिलाओं ने इन नियमों का उल्लंघन किया, उन्हें जान से हाथ धोना पड़ा है। तालिबानी आतंक केवल शारीरिक दंड तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया जा रहा है और कोई उनकी मदद करने के लिए आगे नहीं आ रहा, जिस कारण नारी शक्ति अफगानिस्तान में असहाय बनकर रह गई है।

यद्यपि अमेरिका और अन्य देशों तथा मानवाधिकार से जुड़े संस्थानों ने तालिबान द्वारा महिलाओं के अधिकारों के दमन की निंदा की है, लेकिन किसी भी स्तर पर ऐसी कार्रवाई नहीं की गई जिसका लाभ इन शोषित महिलाओं को मिल सके। संयुक्त राष्ट्र भी अफगानिस्तान में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन तालिबान के विरोध के कारण सफल नहीं हो पाया है। हालांकि मानवीय आधार पर सहायता दी जा रही है, लेकिन इसे दीर्घकालिक समाधान नहीं कहा जा सकता। तालिबान के दखल के कारण अधिकांश सहायता सामग्री उन लोगों तक नहीं पहुंच रही जिन्हें इसकी सख्त जरूरत है। इन परिस्थितियों में, विश्व समुदाय को ठोस प्रयास करने होंगे क्योंकि अफगानिस्तान की महिलाओं की लड़ाई दुनिया की सभी महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई है। ऐसे हालात में विश्व चुप नहीं रह सकता जब एक राष्ट्र अपनी आधी आबादी को उनके अधिकारों से वंचित कर रहा हो। कुछ ऐसा सुनिश्चित करना होगा जिससे अफगान महिलाएं आश्वस्त हो सकें कि विश्व उनके साथ है, विरोधियों के साथ नहीं, क्योंकि इन हालात का दूरगामी असर विश्व भर में पड़ेगा।

बप्पा को लगाएं चॉकलेट मोदक का भोग

सावन के बाद से भारत में त्योहारों की झड़ी लग जाती है। रक्षाबंधन के कुछ दिन बाद ही गणेश चतुर्थी का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन से गणेश उत्सव का आरंभ होता है, जोकि पूरे 10 दिन तक चलता है। गणेश उत्सव की धूम हर जगह दिखाई देती है। दस दिन तक लोग घरों में बप्पा को स्थापित करके रखते हैं। इन दस दिनों में उन्हें खूब पकवानों का भोग लगाया जाता है। अगर गणपति बप्पा के प्रिय भोग की बात करें तो इसमें मोदक सबसे पहले आता है। वैसे तो बाजार में आपको हर तरह के मोदक मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप खुद से मोदक बनाकर इसका भोग भगवान गणेश को लगाएंगे तो इससे बप्पा जरूर प्रसन्न होंगे। इस बार गणपति उत्सव में आप बप्पा को साधारण की जगह चॉकलेट मोदक का भोग लगा सकते हैं।

सामान

मिल्क चॉकलेट- 200 ग्राम, कोको पाउडर- 1 बड़ा चम्मच, स्टफिंग के लिए सामान, खोया (मावा)- 100 ग्राम, चीनी पाउडर- 2 बड़े चम्मच, नारियल बूरा- 2 बड़े चम्मच, काजू, बादाम, पिस्ता (बारीक कटे हुए), इलायची पाउडर, घी।

विधि

चॉकलेट मोदक बनाने के लिए आपको सबसे पहले इसकी स्टफिंग तैयार करनी है। स्टफिंग को तैयार करने के लिए एक कढ़ाई में मावा को हल्की आंच पर भून लें। इसे तब तक भूनें जब तक यह हल्का गुलाबी न हो जाए और घी छोड़ने लगे। जब मावा घी छोड़ने लगे तो इसमें चीनी पाउडर, नारियल बूरा, काजू, बादाम, पिस्ता, और इलायची पाउडर डालें। इसे अच्छी तरह से मिलाएं और फिर आंच से उतारकर ठंडा होने दें। जब तक ये ठंडा हो रहा है, तब तक मिल्क चॉकलेट को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और इसे माइक्रोवेव में पिघला लें। इस पिघली हुई चॉकलेट में कोको पाउडर मिलाएं ताकि एकसार मिश्रण बन जाए। अब मोदक बनाने की विधि शुरू करनी है तो सबसे पहले मोदक मोल्ड को हल्का घी से चिकना करें। अब इस मोल्ड के अंदर तैयार की गई स्टफिंग भरें। अच्छी तरह से स्टफिंग भरने के बाद इसे निकाल लें। इसी तरह से मोदक तैयार करें। सभी मोदक तैयार होने के बाद इसके ऊपर पिघली हुई चॉकलेट डालें। इसे फिर से 10-15 मिनट के लिए फ्रिज में रखें ताकि यह पूरी तरह से सेट हो जाए। आपके स्टफिंग वाले चॉकलेट मोदक तैयार हैं। इसका भोग लगाने के बाद आप इसे प्रसाद के रूप में बांट भी सकते हैं।

बड़ों के साथ बच्चे को भी पिलाएं ये स्वादिष्ट जूस

आजकल की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल के बीच अपनी सेहत का ध्यान रखना काफी मुश्किल हो जाता है। दरअसल, लोग नौकरी और पढ़ाई की आपाधापी में इतना व्यस्त हो गए हैं कि उन्हें अपनी सेहत का ध्यान रखने का समय ही नहीं मिल पाता। यदि आप भी उन्हीं लोगों में हैं, जिनके पास सेहत का ध्यान रखने का समय नहीं है तो यहां हम आपको एक ऐसी जूस की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो सेहत के लिए काफी लाभदायक है। हम यहां बात कर रहे हैं चुकंदर के जूस की, जिसको पीने से शरीर की कई परेशानियां दूर होती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि चुकंदर में कई अनगिनत पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर आप घर पर कुछ हेल्दी और स्वादिष्ट पेय पदार्थ बनाना चाहते हैं तो चुकंदर का जूस बनाकर खुद भी सकते हैं और अपने परिवारवालों को भी पिला सकते हैं।

सामान

2-3 मध्यम आकार के चुकंदर, 1 गाजर, 1 सेब, 1 इंच अदरक का टुकड़ा, आधा नींबू का रस, स्वाद के लिए नमक, पानी।

विधि

चुकंदर का जूस बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर, गाजर और सेब को धोकर छील लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अगर आप अदरक का उपयोग कर रहे हैं तो उसे भी छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। अदरक का इस्तेमाल पूरी तरह से आप पर निर्भर करता है। अब जूसर में कटे हुए चुकंदर, गाजर, सेब और अदरक डालें। यदि आप चाहें तो थोड़ा पानी भी मिला सकते हैं ताकि जूस थोड़ा पतला हो सके। वरना बिना पानी के भी जूस तैयार कर सकते हैं। अब जूसर को चालू करें और सभी सामग्री का रस निकालें। इसे निकालकर छलनी की मदद से छान लें। ताकि बीच-बीच में किसी भी चीज के तिनके स्वाद को खराब न करें। अब जब जूस तैयार हो जाए, तो उसमें आधा नींबू का रस मिलाएं। नींबू के रस के अलावा इस जूस में स्वादानुसार थोड़ा सा नमक मिला सकते हैं। बस आपका ये स्वादिष्ट और पौष्टिक जूस तैयार है।

हंसना मना है

मंदिर में पूजा करते समय गांव की एक लोभी महिला भगवान से बोली-भगवान, तेरे लिए एक सेकंड कितने सालों के बराबर है? भगवान- करोड़ों साल के बराबर, महिला- और करोंड़ो रुपये कितने के बराबर होते हैं? भगवान- रत्ती बराबर, लालच से महिला बोली- एक रत्ती मुझे भी दे दीजिए, भगवान बोले- एक सेकंड मंदिर में ही रूको, लाकर देता हूं...

एक सज्जन आदमी ने एक सात साल की लड़की से पूछा -तुम्हारे बाल वाकई बहुत सुन्दर हैं..ये तुम्हे किससे मिले हैं, मम्मी या पापा से..लड़की ने बड़े सरल लहजे में उत्तर दिया, जहां तक मेरा खयाल है, मुझे ये बाल मेरे पापा से मिले हैं, क्योंकि उनके सिर के सारे बाल गायब हैं...!

टीचर- बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? स्टूडेंट- बंदर, टीचर- किताब से देख कर बोला है न? स्टूडेंट -नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला।

कहानी जब अर्जुन का घमंड चूर-चूर हुआ

एक बार अर्जुन को अहंकार हो गया कि वही भगवान के सबसे बड़े भक्त हैं। उनको श्रीकृष्ण ने समझ लिया। एक दिन वह अर्जुन को अपने साथ घुमाने ले गए। रास्ते में उनकी मुलाकात एक गरीब ब्राह्मण से हुई। उसका व्यवहार थोड़ा विचित्र था। वह सूखी घास खा रहा था और उसकी कमर से तलवार लटक रही थी। अर्जुन ने उससे पूछा- आप तो अहिंसा के पुजारी हैं। जीव हिंसा के भय से सूखी घास खाकर अपना गुजारा करते हैं। लेकिन फिर हिंसा का यह उपकरण तलवार क्यों आपके साथ है? ब्राह्मण ने जवाब दिया- मैं कुछ लोगों को दंडित करना चाहता हूं। आपके शत्रु कौन हैं? अर्जुन ने जिज्ञासा जाहिर की। ब्राह्मण ने कहा- मैं चार लोगों को खोज रहा हूं, ताकि उनसे अपना हिसाब चुकता कर सकूं। सबसे पहले तो मुझे नारद की तलाश है। नारद मेरे प्रभु को आराम नहीं करने देते, सदा भजन-कीर्तन कर उन्हें जागृत रखते हैं। फिर मैं द्रौपदी पर भी बहुत क्रोधित हूं। उसने मेरे प्रभु को ठीक उसी समय पुकारा, जब वह भोजन करने बैठे थे। उन्हें तत्काल खाना छोड़ पांडवों को दुर्वासा ऋषि के शाप से बचाने जाना पड़ा। उसकी धृष्टता तो देखिए। उसने मेरे भगवान को जूठा खाना खिलाया। आपका तीसरा शत्रु कौन है? अर्जुन ने पूछा। वह है हृदयहीन प्रह्लाद। उस निर्दयी ने मेरे प्रभु को गरम तेल के कड़ाह में प्रविष्ट कराया, हाथी के पैरों तले कुचलवाया और अंत में खंभे से प्रकट होने के लिए विवश किया। और चौथा शत्रु है अर्जुन। उसकी दुष्टता देखिए। उसने मेरे भगवान को अपना सारथी बना डाला। उसे भगवान की असुविधा का तनिक भी ध्यान नहीं रहा। कितना कष्ट हुआ होगा मेरे प्रभु को! यह कहते ही ब्राह्मण की आंखों में आंसू आ गए। यह देख अर्जुन का घमंड चूर-चूर हो गया। उसने श्रीकृष्ण से क्षमा मांगते हुए कहा- मान गया प्रभु, इस संसार में न जाने आपके कितने तरह के भक्त हैं। मैं तो कुछ भी नहीं हूं।

7 अंतर खोजें

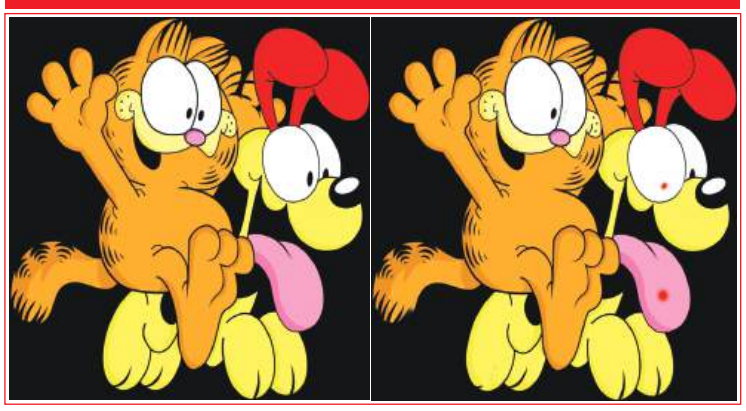

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

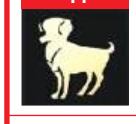

जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे।

वृषभ

पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है।

मिथुन

नौकरी में अनुकूलता रहेगी। पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

कर्क

बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाज न करें।

सिंह

अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

तुला

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है।

धनु

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें।

मकर

प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी।

कुम्भ

किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

मीन

आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

बच्चों के लिए मैं और विराट दोनों खाना बनाते हैं : अनुष्का

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अनुष्का ने बताया कि वह अपने दोनों बच्चों वामिका और अकाय के लिए खुद ही खाना पकाते हैं। वह अपने पारिवारिक व्यंजनों को आगे बढ़ाते हैं और परिवार के साथ सफर करते वक्त भी इस बात का खास ख्याल रखते हैं। हाल ही में अनुष्का शर्मा लंदन से भारत लौटीं हैं। अनुष्का को एयरपोर्ट पर सुबह बेहद ही स्टाइलिश अंदाज में देखा गया। उसी शाम मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान अनुष्का ने अपने पारिवारिक जीवन के बारे में खुलकर बात की। अनुष्का ने बताया कि कैसे वह और उनके पति, क्रिकेटर विराट कोहली अपने बच्चों वामिका और अकाय के लिए खुद खाना पकाते हैं। उन्होंने अगली पीढ़ी को पारिवारिक खाने को सौंपने के महत्व पर जोर दिया और साथ ही अपने बच्चों के लिए एक दिनचर्या बनाए रखने पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम के दौरान अनुष्का ने कहा, हमारे घर में ये चर्चा होती थी कि अगर हम वो खाना नहीं बनाते हैं, जो हमारी मां बनाती हैं तो हमारे बच्चों को ये पारिवारिक खानों की रेसिपी नहीं दे पाएंगे। इसीलिए कभी-कभी मैं खाना बनाती हूं और कभी-कभी मेरे पति विराट खाना पकाते हैं। आगे अनुष्का ने कहा, हम बिल्कुल वैसा ही खाना बनाने की कोशिश करते हैं, जैसा कि हमारी मां बनाती थीं। मैं कभी-कभार थोड़ी चीटिंग भी कर लेती हूं, अपनी मां को फोन करके रेसिपी पूछ लेती हूं। अनुष्का ने ये भी कहा, मैं रुटीन को लेकर काफी सख्त हूं। हम बहुत ट्रैवल करते हैं और इस दौरान मेरे बच्चे काफी कुछ चेंजेस एक्सपीरियंस करते हैं। इसलिए मैं उनके लिए रुटीन बनाती हूं, ताकि वे दोनों कंट्रोल में रहें। वामिका और अकाय का खाने का समय निर्धारित है। हम निश्चित समय पर खाना खाते हैं और निश्चित समय पर ही सोते हैं।

ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'डबल स्मार्ट'

बिग बुल की भूमिका में संजू बाबा ने किया धमाल

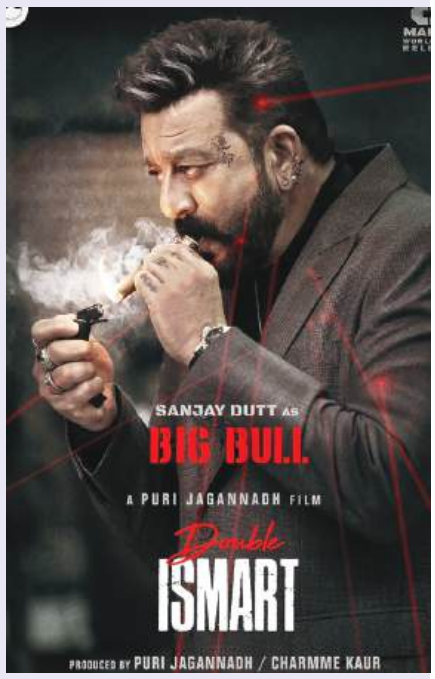

स्वतंत्रता दिवस के दिन कई भारतीय भाषाओं में रिलीज हुई डबल इस्मार्ट में राम पोथिनेनी, काव्या थापर और संजय दत्त ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म में धमाकेदार एक्शन और जबर्दस्त वीएफएक्स होने पर भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है। पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित यह फिल्म डबल इस्मार्ट अब तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। हालांकि, यह फिल्म सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन यह देखना बाकी है कि ओटीटी दर्शक इसे कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

डबल इस्मार्ट 2024 की भारतीय तेलुगु भाषा की साइंस फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे पुरी जगन्नाथ ने लिखा और निर्देशित किया है, जिन्होंने पुरी कनेक्ट्स के तहत चार्मी कौर के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म की कहानी में दर्शकों को कुछ खास दम नजर नहीं आया। इसलिए यह फिल्म सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब इसे ओटीटी पर रिलीज किया जा चुका है। फिल्म में संजय दत्त ने बिग बुल की भूमिका निभाई है, जबकि राम पोथिनेनी ईस्मार्ट शंकर उर्फ डबल ईस्मार्ट के रूप में नजर आए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डबल इस्मार्ट का प्री-रिलीज व्यवसाय बहुत बड़े पैमाने पर किया गया था, लेकिन दुख की बात है कि फिल्म की ऑक्यूपेंसी गिर गई है और डबल इस्मार्ट बॉक्स ऑफिस पर 25 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। एक बार फिर, लाइगर के फ्लॉप होने के बाद पुरी जगन्नाथ को एक और बड़ा नुक्सान हुआ है और चूंकि वह फिल्म के निर्माता भी हैं, इसलिए उन्हें भारी नुकसान हुआ है। अब ओटीटी पर प्रशंसक फिल्म को क्या प्रतिक्रिया देते हैं यह कुछ दिनों में साफ हो जाएगा। इस फिल्म में अली, गेटअप श्रीनु, सयाजी शिंदे, मकरंद देशपांडे और टेम्पर वामसी मुख्य भूमिकाओं में हैं। पुरी कनेक्ट्स बैनर के तहत निर्मित इस फिल्म का संगीत मणिशर्मा ने दिया है।

निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे मिथुन के लाडले नमोशी

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने अभिनय की दुनिया में बड़ा नाम कमाया। उनके लाखों लाख प्रशंसक हैं। अभिनेता ने अपने करियर में कई हिट और सुपरहिट फिल्में दी। अब उनके छोटे बेटे नमोशी चक्रवर्ती भी सिनेमा की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। अभिनेता ने अपने जन्मदिन के मौके पर यह रोमांचक खबर साझा की है।

दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के छोटे बेटे नमोशी चक्रवर्ती अपने डेब्यू प्रोजेक्ट के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। एक ट्रेड विश्लेषक के मुताबिक नमोशी ने अपने निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म की घोषणा की है। इस फिल्म का निर्माण होम प्रोडक्शन एमवाईआरएनडी मूवीज के तहत किया जाएगा। निर्देशन के साथ-साथ नमोशी इस फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभाएंगे।

ट्रेड विश्लेषक के मुताबिक अभी तक बिना शीर्षक वाली यह फिल्म एक रोमांटिक-ड्रामा बताई जा रही है। इस फिल्म में महाअक्षय चक्रवर्ती, दिशानी चक्रवर्ती, कौशिक दासगुप्ता, विष्णु वारियर, श्रीकांत वत्स, राहुल कनोडिया और सम्राट रतन जैसे कलाकार भी शामिल हैं। यह फिल्म अगले 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी। बैड बॉय और इंडियन फैशन फैक्ट्री जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले नमोशी इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के साथ अपने करियर को एक ऊंची उड़ान देने की तैयारी में हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने पिछले साल एक साक्षात्कार में कहा था कि वह जन्मजात अभिनेता हैं। उन्हें बचपन से ही अभिनय करने का जुनून था। उन्होंने यह भी साझा किया था कि वह अपने पिता मिथुन चक्रवर्ती की नकल करते थे। उनकी ही तरह तैयार होते और डायलॉग बोलते थे।

अजब-गजब | डेफ विलेज के नाम जाता है यह गांव

इस गांव में पैदा होते ही गूंगे-बहरे हो जाते हैं बच्चे, कोई नहीं समझ पाता इनकी भाषा!

यह दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। इस दुनिया में कई ऐसे रहस्य हैं जो आज तक अनसुलझे हैं। आपने भी कई ऐसी रहस्यमयी या अजीब जगहों के बारे में सुना होगा जैसे एक गांव में ज्यादातर जुड़वा बच्चे पैदा होते हैं। दुनिया में ऐसी कई अजीब जगहें हैं। ऐसी कई जगहें अपनी अजीबोगरीब खासियत के लिए दुनिया में पॉपुलर है। आज हम आपको एक ऐसे ही विचित्र गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। दुनिया में एक ऐसा गांव है, जहां बच्चे पैदा होते ही गूंगे और बहरे हो जाते हैं। इस गावं में लोग एक दूसरे से बात करने के लिए एक खास साइन लैंग्वेज का इस्तेमाल करते हैं। यह भाषा सैंकड़ों साल पुरानी है। इसे काटा कोलोक कहा जाता है।

यह विचित्र गांव इंडोनेशिया में है। गांव का नाम बेंगकला है और यहां रहने वाला हर शख्स इशारों में ही बात करता है। इस गांव में ज्यादातर लोग गूंगे बहरे हैं। यहां के लगभग 80 फीसदी लोग गूंगे बहरे हैं। कहा जाता है कि गांव में पैदा होने के बाद बच्चे गूंगे बहरे हो जाते हैं। इस गांव के लोग जिस सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसे काटा कोलोक कहते हैं। इनकी भाषा सैकड़ों साल पुरानी है और इस भाषा को केवल गांव के लोग ही समझते हैं।

इस गांव में पर्यटकों का आना-जाना बहुत कम है। इस गांव को डेफ विलेज के नाम से भी जाना जाता है। यह दुनिया एकमात्र ऐसा गांव है जहां के लोग बोल या सुन नहीं सकते। इस गांव के लोग ही नहीं बल्कि सरकारी ऑफिस में भी सांकेतिक भाषा काटा कोलोक का इस्तेमाल किया जाता है। इस गांव की आबादी लगभग तीन हजार है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस गांव में क्च्छ्ठ3 नाम के जीन की मौजूदगी की वजह से यहां के लोग गूंगे बहरे हैं। यहां ये जीन पैदा होने वालों में सात पुश्तों से चली आ रही है। इसकी वजह से ही लोग बहरे पैदा होते हैं।

वैज्ञानिकों से अलग इस गांव के लोग अपने बहरेपन के पीछे की वजह कुछ और मानते हैं। इस गांव में रहने वाले लोगों का मानना है कि ये बहरापन उन्हें श्राप की वजह से मिला है। यहां के लोगों का कहना है कि बहुत साल पहले यहां दो ऐसे लोग रहते थे जो काला जादू जानते थे, लेकिन एक दिन दोनों के बीच किसी बात को लेकर लड़ाई हो गई और इस दौरान उन्होंने एक-दूसरे को बहरा हो जाने का श्राप दिया था। यहां रहने वाले लोगों को ऐसा लगता है कि यह श्राप पीछली सात पुश्तों से अभी तक फैल रहा है।

मंगेतर ने दिया धोखा तो लड़की ने बिना दूल्हे के रचाई शादी, मनाया 'फ्रीडम डे'

आपने बहुत सी शादियां अटेंड की होंगी। लेकिन क्या आपने कभी बिना दुल्हे के किसी लड़की की शादी देखी है। हाल ही ब्रिटेन में ऐसा ही कुछ हुआ। यहां एक अनोखी शादी हुई, जिसमें दूल्हा नहीं था। दरअसल, एक लड़की को शादी से ठीक पहले पता चला कि उसका मंगेतर उसे धोखा दे रहा था। इसके बाद लड़की ने वह शादी तोड़ दी। हालांकि उसने शादी के फंक्शन कैंसिल नहीं किए। उस लड़की ने वेडिंग इवेंट और हनीमून ट्रिप पर करीब 38 लाख रुपये खर्च कर डाले। यह अनोखी शादी नॉटिंघमशायर के मैन्सफील्ड में हुई। 31 वर्षीय लिंडसे स्लेटर और उसका मंगेतर एक-दूसरे को पिछले 12 साल से डेट कर रहे थे। उन्होंने साल 2020 में सगाई कर ली थी। इसके बाद उन्होंने शादी करने का फैसला लिया। इसी महीने 17 अगस्त को उनकी शादी होने वाली थी। लेकिन शादी से पहले ही उनका ब्रेकअप हो गया। दरअसल, लिंडसे का मंगेतर उसे चीट कर रहा था। उसका किसी दूसरी लड़की से भी अफेयर था और इसके बारे में लिंडसे को पता चल गया। मंगेतर ने भी कबूल कर लिया कि वह किसी और से प्यार करता है। इस घटना से लिंडसे बुरी तरह टूट गईं। पहले तो वह शादी के सारे इवेंट कैंसिल करने वाली थी, लेकिन बाद में उसने बिना मंगेतर के ही शादी करने और उस दिन को 'फ्रीडम डे' के तौर पर सेलिब्रेट करने का फैसला लिया। रिपोर्ट के अनुसार, शादी और हनीमून ट्रिप की तैयारियों में 46 हजार डॉलर (38 लाख रुपये से अधिक) खर्च हुए थे, जिसे लिंडसे ने बेकार न जाने देने के लिए अपने परिवार और दोस्तों संग सेलिब्रेट करने की योजना बनाई। इसमें उनकी बहन बेथ ने भी मदद की।

लिंडसे ने सभी मेहमानों को अपनी शादी टूटने की जानकारी दी। साथ ही उसने बताया कि वे सब उनकी 'फ्रीडम पार्टी' का हिस्सा बन सकते हैं। बिना दूल्हे की शादी पार्टी में लगभग 70 मेहमानों ने शिरकत की, जिसमें खाने-पीने के साथ नाच-गाकर जश्न मनाया गया। इसके बाद लिंडसे अपनी एक महिला दोस्त के साथ सात दिन की हनीमून ट्रिप पर ग्रीस भी गईं। पेशे से वकील लिंडसे का कहना है कि वह खुश है कि उन्होंने यह फैसला लिया।

जिस कॉलेज ने ठुकराया उसी कॉलेज ने दिल से लगाया गौतम अडानी को

जय हिंद कॉलेज ने किया सबसे अमीर शख्स का सम्मान

» अडानी की कंपनियां विभिन्न कारोबारों में आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। देश के जाने-माने उद्योगपति गौतम अडानी ने 1970 के दशक में शिक्षा के लिए मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ने के लिए आवेदन किया था, लेकिन कॉलेज ने उनके आवेदन को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने आगे की पढ़ाई नहीं की बल्कि कारोबार की ओर रुख किया और लगभग साढ़े चार दशक में 220 अरब डॉलर का साम्राज्य खड़ा किया। आज उसी कॉलेज में उन्हें शिक्षक दिवस पर छात्रों को व्याख्यान देने के लिए बुलाया गया। जय हिंद कॉलेज के पूर्व छात्रों के संघ के अध्यक्ष विक्रम नानकानी ने भारत के सबसे धनाढ्य व्यक्तियों में शामिल अडाणी का परिचय देते हुए कहा कि वह 16 साल की उम्र में मुंबई चले गए थे और हीरे की छंटाई का काम करने लगे थे।

उन्होंने 1977 या 1978 में शहर के जय हिंद कॉलेज में प्रवेश के लिए आवेदन किया। लेकिन उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया। उन्होंने जय हिंद कॉलेज में आवेदन किया था क्योंकि उनके बड़े भाई विनोद पहले उसी कॉलेज में पढ़ते थे। आज अडानी की कंपनियां विभिन्न कारोबार से जुड़ी हैं। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की उनकी कंपनी देश में 13 बंदरगाहों और सात हवाई अड्डों का भी संचालन करती है। आज उनका समूह बिजली के क्षेत्र में भी निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी इकाई है। इतना ही नहीं, उनकी कंपनी सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक है, देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी चलाती है, एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही है और एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती का पुनर्विकास कर रही है। कुछ लोगों ने इसे भारत की नई पीढ़ी के उद्यमियों में सबसे आक्रामक बताया है। द पावर ऑफ पैशन एंड अनकन्वेंशनल पाथ्स टू सक्सेस' विषय पर व्याख्यान देते हुए, 62 वर्षीय अडानी ने कहा कि वह केवल 16 वर्ष के थे जब उन्होंने अपनी पहली सीमा को तोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि इसका संबंध पढ़ाई-लिखाई छोड़ने और मुंबई में एक अनजाने से भविष्य की ओर जाने से था। लोग अब भी मुझसे पूछते हैं, 'आप मुंबई क्यों चले गए? आपने अपनी शिक्षा पूरी क्यों नहीं की?' अडानी कई सामाजिक कामों में हिस्सा लेते रहते हैं। मुंबई के पास स्थित एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती धारावी को अडानी ग्रुप प रिडेवलप कर रहा है। इसका जिक्र करते हुए गौतम अडानी ने कहा, धारावी इंसानों की गरिमा की बात है, हमारे बिजनेस की ताकत उसका इंटिग्रेटेड मॉडल है।

आलोचना करने के बजाय सुधारने पर फोकस करना चाहिए

गौतम अडानी ने कहा, आप जो सपना देखते हैं, उसी को साकार करते हैं, जितनी बड़ी सीमा आप तोड़ते हैं, प्रतियोगिता उतनी ही कम होती है। वर्तमान परिस्थितियों की आलोचना करना आसान है, लेकिन इसे सुधारना उतना ही मुश्किल है। हमें किसी चीज की आलोचना करने के बजाय उस चीज को सुधारने पर फोकस करना चाहिए। जो इन मुश्किलों को पार कर जाता है, कामयाबी उसी को मिलती है। उन्होंने कहा कि हर किसी का रोल मॉडल होता है। जो आपको आपके संघर्ष के समय मोटिवेट करता है, कच्चे रास्तों को पार करकर आप आखिरकार अपनी मंजिल तक पहुंचते हैं। अडानी ने कहा, हर किसी के लिए कामयाबी के नुस्खे अलग-अलग होते हैं, मेरे लिए कामयाबी के नुस्खे एक ही हैं- जुनून और अलग राह पर चलने की ताकत ही मेरी कामयाबी का नुस्खा है। हिंडनबर्ग रिसर्च पर गौतम अडानी ने कहा कि वित्तीय हमले के बाद हमने अपना जज्बा दिखाया। ये महज वित्तीय हमला नहीं था। बल्कि दोतरफा वार था। इसका मकसद हमें अधिकतम नुकसान पहुंचाना था। लेकिन हमने इसी खराब दौर में सबसे अच्छा कारोबार किया। इस हमले के बीच हमारे रिकॉर्ड हमारी क्षमता के इंडिकेटर साबित हुए।

टीचर्स-डे पर व्याख्यान में गौतम अडानी ने छात्रों को दिये टिप्स

बड़ा सोचने के लिए मुंबई ने मुझे सिखाया : अडानी

अडानी ने कहा कि इसका उत्तर सपने देखने वाले हर युवा के दिल में है जो सीमाओं को बाधाओं के रूप में नहीं बल्कि चुनौतियों के रूप में देखता है जो उसके साहस की परीक्षा लेती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यह महसूस हुआ था कि क्या मुझमें हमारे देश के सबसे महत्वपूर्ण शहर में अपना जीवन जीने का साहस है। कारोबार के लिए मुंबई उनका प्रशिक्षण स्थल था क्योंकि उन्होंने हीरों की छंटाई और व्यापार करना सीखा था। कारोबार करने का क्षेत्र एक अच्छा शिक्षक बनाता है। मैंने बहुत पहले ही सीख लिया था कि एक उद्यमी अपने सामने मौजूद विकल्पों का अत्यधिक मूल्यांकन करके कभी भी स्थिर नहीं रह सकता। यह मुंबई ही है जिसने मुझे सिखाया 'बड़ा सोचने के लिए। आपको पहले अपनी सीमाओं से परे सपने देखने का साहस करना होगा। अडानी ने 1980 के दशक में संघर्षरत लघु उद्योगों को आपूर्ति के लिए पॉलिमर आयात करने के लिए एक व्यापारिक संगठन का गठन किया। उन्होंने कहा कि जब मैं 23 साल का हुआ, तो मेरा कारोबारी उद्यम अच्छा कर रहा था। उन्होंने 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद पॉलिमर, धातु, कपड़ा और कृषि-उत्पादों में काम करने वाले एक वैश्विक कारोबारी घराने की स्थापना की। तब वह सिर्फ 29 साल के थे। दो साल के भीतर, हम देश में सबसे बड़ा वैश्विक कारोबारी घराना बन गये। तब मुझे गति और पैमाने दोनों का संयुक्त मूल्य समझ में आया।

अडानी ने किया था 16 वर्ष की उम्र में पहली सीमा तोड़ने का फैसला

दलदली बंजर भूमि का किया कायाकल्प

अडानी ने 1990 के दशक के मध्य में, वैश्विक जिंस व्यापारी कारगिल ने उनसे गुजरात के कच्छ क्षेत्र से नमक के निर्माण और स्रोत के लिए साझेदारी के लिए संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि, साझेदारी सफल नहीं हो पाई, लेकिन हमारे पास लगभग 40,000 एकड़ दलदली भूमि और नमक के निर्यात के लिए मुंदड़ा (गुजरात में) में निजी उपयोग को लेकर जेट्टी (घाट) बनाने की मंजूरी रह गई। जिसे अन्य लोग दलदली बंजर भूमि के रूप में देखते थे, उसे उन्होंने कायाकल्प का इंतजार कर रहे एक बड़े क्षेत्र के रूप में देखा। वह क्षेत्र अब भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह है। मुंदड़ा में आज भारत के सबसे बड़े बंदरगाह, सबसे बड़े औद्योगिक विशेष आर्थिक क्षेत्र, सबसे बड़े कंटेनर टर्मिनल, सबसे बड़े तापीय बिजली संयंत्र, सबसे बड़ी सौर विनिर्माण सुविधा केंद्र, सबसे बड़े तांबा संयंत्र और सबसे बड़ी खाद्य तेल रिफाइनरी है। इतना ही नहीं, मुंदड़ा अंत में जो बनेगा, हम उसका केवल 10 प्रतिशत ही उपयोग कर रहे हैं। अब वह कच्छ में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रहे हैं और मुंबई में धारावी झुग्गी-बस्ती का पुनर्विकास कर रहे हैं। हालांकि, हमने हवाई अड्डों, बंदरगाहों, लॉजिस्टिक, औद्योगिक पार्कों और ऊर्जा में भारत के बुनियादी ढांचे को फिर से परिभाषित करने में मदद की है, लेकिन यह जीत नहीं है जो हमें परिभाषित करती है। यह चुनौतियों का सामना करने और उन पर काबू पाने की मानसिकता है जिसने अडानी समूह की यात्रा को खूबसूरत आकार दिया है।

1994 में कंपनी को सूचीबद्ध करवाया

अडानी ने कहा कि इसके बाद, 1994 में, हमने फैसला किया कि यह सूचीबद्ध होने का समय है और अडानी एक्सपोर्ट्स ने अपना आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) लेकर आई। इसे अब अदाणी एंटरप्राइजेज के नाम से जाना जाता है। आईपीओ लाने का निर्णय सफल रहा और इससे मुझे सार्वजनिक बाजारों का महत्व समझ में आया। उन्हें एहसास हुआ कि आगे की सीमाओं को तोड़ने के लिए, उन्हें सबसे पहले अपनी यथास्थिति को चुनौती देकर शुरुआत करनी होगी और एक ठोस आधार प्रदान करने के लिए परिसंपत्तियों में निवेश करना होगा। पीएम के डिजिटल इंडिया की सराहना करते हुए भारत के सबसे अमीर व्यक्ति अडानी ने कहा कि दुनिया को हमारे डिजिटल स्ट्रक्चर से जलन हो सकती है क्योंकि भविष्य डिजिटल का है और इसका नेतृत्व भारत के हाथ में है। अडानी ने कहा कि आने वाला समय भारत का है।

सौभाग्य से या दुर्भाग्य से कॉजेल नहीं स्वीकार कर पाया था आवेदन : विक्रम ननकानी

पूर्व छात्रों के संघ के अध्यक्ष विक्रम ननकानी ने गौतम अडानी को 'पूर्व छात्र' का दर्जा देते हुए कहा, 'सौभाग्य से या दुर्भाग्य से, कॉलेज ने उनके आवेदन को स्वीकार नहीं किया और उन्होंने अपना काम करना शुरू कर दिया और एक वैकल्पिक करियर अपनाया। उन्होंने लगभग दो साल तक हीरा छांटने का काम किया। उसके बाद पैकेजिंग कारखाना चलाने के लिए अपने गृह राज्य गुजरात लौट गये। इस कारखाने को उनके भाई चलाते थे। अडानी ने 1998 में जिंसों में व्यापार करने वाली अपनी कंपनी शुरू करने के बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगले ढाई दशक में, उनकी कंपनियों ने बंदरगाह, खदान, बुनियादी ढांचा, बिजली, सिटी गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, रियल एस्टेट, डेटा सेंटर और मीडिया जैसे क्षेत्रों में कदम रखा। जय हिंद कॉलेज मुंबई, महाराष्ट्र, भारत में एक स्वायत्त कॉलेज है, जो मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध है। इसकी स्थापना 1948 में हुई थी। 2000 में, जय हिंद कॉलेज को मुंबई शहर के सबसे अच्छे और सबसे अधिक मांग वाले कॉलेजों में से एक बताया गया था। इसकी स्थापना आज़ादी के ठीक बाद, कराची, सिंध, पाकिस्तान के डी. जे. साइंस कॉलेज से विस्थापित शिक्षकों के एक छोटे समूह द्वारा डॉ. मोहिंदर-माइल्स मॉर्टन की देखरेख में की गई थी। जय हिंद कॉलेज की शुरुआत एक कला और विज्ञान महाविद्यालय के रूप में हुई। इसकी स्थापना के बाद कई नए पाठ्यक्रम और विषय शुरू किए गए - वाणिज्य संकाय 1980 में शुरू किया गया, प्रबंधन और कंप्यूटर विज्ञान 1999 में, मास मीडिया और जैव प्रौद्योगिकी 2002 में, और बैंकिंग और बीमा 2003 में शुरू किया गया।

राजनीति के चक्रव्यूह व मर्यादा में फंसीं अपर्णा

» रास नहीं आया भाजपा का दिया पद, सियासी गलियारों में घर वापसी की हो रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सबसे बड़े राजनीतिक घराने की बहू और बीजेपी की नेता अपर्णा यादव इस समय फिर चर्चा में हैं। चर्चा का कारण है बीजेपी ने यूपी महिला आयोग का उपाध्यक्ष बनाया जाना। दरअसल 2022 में अपर्णा यादव जब सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुईं तो बीजेपी को अपर्णा यादव और अपर्णा यादव को बीजेपी से बड़ी उम्मीद थी।

दरअसल बीजेपी अपर्णा यादव से सपा के खिलाफ बयानबाजी कराकर विधानसभा चुनाव में बड़ा फायदा उठाना चाहती थीं। हर चुनाव में बीजेपी ने जमकर फायदा उठाया भी। अपर्णा ने भी पूरी निष्ठा के साथ काम किया। पार्टी ने उन्हें जहां भी चुनाव प्रचार के लिए भेजा वो वहां गई, इनमें कई ऐसी सीटें थीं जो यादव बहुल थी। यही नहीं लोकसभा चुनाव में वो आज़मगढ़ सीट पर जेठ धर्मेंद्र यादव के खिलाफ भी दिनेश लाल यादव के पक्ष में जमकर चुनाव प्रचार किया।

अपर्णा के समर्थन में आए अखिलेश यादव!

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना नाम और मुद्दे का जिक्र किये अप्रत्यक्ष तौर पर अपर्णा यादव की नाराजगी के बीच बड़ा बयान दिया है। सपा नेता ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी अंदरूनी अविश्वास का शिकार है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि बीजेपी अपनों से इतर औरों को इन पदों के लिए योग्य नहीं समझती। कन्नौज सांसद ने कहा कि- 46 में 56 का हास्यास्पद और अपुष्ट दावा करनेवाले, ऊपर से लेकर नीचे तक सभी प्रमुख पदों पर '100 में 100' अपने ही लोग बैठाए हुए हैं, क्या वो अपने से इतर 'औरों' को इन पदों के लिए योग्य नहीं समझते हैं या फिर सिर पर लटकी हुई दिल्ली की तलवार की वजह से किसी को विश्वास योग्य नहीं समझते हैं। भाजपा अंदरूनी अविश्वास का शिकार है, पदस्थापना, कार्रवाई, निर्णय और आदेश का आधार न्याय होना चाहिए, जाति नहीं।

बीजेपी चाहती थी परिवार पर करें सीधा हमला

बीजेपी के कुछ नेता चाहते थे कि अपर्णा सीधा हमला परिवार पर करें। लेकिन रिश्तों और मर्यादा के बंधन में बंधी मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव न सिर्फ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ कुछ भी बोलने से बचती रहीं बल्कि यादव परिवार के किसी भी सदस्य के खिलाफ कभी तीखी बयानबाजी नहीं की। वहीं सपा की तरफ से भी कभी भी अपर्णा को लेकर किसी भी तरह की बयानबाजी नहीं हुई सभी नेताओं ने मर्यादा के तहत ही सवालों के जवाब दिया। हालांकि 2022 में बीजेपी ने यूपी में दोबारा सरकार बना ली। लेकिन अपर्णा यादव से जो उन्हें उम्मीद थी,अपर्णा पारिवारिक डोर में बंधने के कारण उन सभी चीजों से दूरी बनाई। ये तो बीजेपी की उम्मीदें थीं।

भाजपा ने मेयर पद के लिए भी नहीं दिया टिकट

2022 के निकाय चुनाव में भी उनके नाम की चर्चा हुई और उन्हें मेयर का टिकट का दावेदार बताया गया पर इस बार भी उनके हाथ खाली रहे, बीजेपी ने सुषमा खर्कवाल को टिकट दे दिया। अपर्णा लगातार बीजेपी के लिए काम कर रहीं थी और उन्हें उम्मीद थी की बीजेपी जब भी उन्हें जिम्मेदारी देगी कोई बड़ी जिम्मेदारी देगी लेकिन बीजेपी ने उन्हें यूपी महिला आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया। अपर्णा के साथ-साथ बीजेपी ने चारू चौधरी को बीजेपी का उपाध्यक्ष बनाया और यूपी महिला आयोग का अध्यक्ष बबिता चौहान को बना दिया।

सपा से 2017 में लखनऊ की कैंट से लड़ीं थीं विस चुनाव

दरअसल अपर्णा यादव एक ऐसे राजनीतिक घराने की बहू हैं जिसके मुखिया जिस भी नेता पर हाथ रख देते थे वो विधायक और सांसद बन जाता था, सरकार होने पर ये सभी पद उनके के लिए न के बराबर होते थे। अपर्णा यादव ने सपा से 2017 में लखनऊ की कैंट विधानसभा से चुनाव लड़ा और वो दूसरे नंबर पर रहीं थीं। अपर्णा यादव ने 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव से नाराज होकर समाजवादी पार्टी छोड़ दी थी। इसके बाद से कयास लग रहे थे कि बीजेपी उन्हें लखनऊ कैंट सीट से टिकट दे सकती है लेकिन, ऐसा नहीं हुआ।

अपर्णा को बीजेपी से थी कई उम्मीदें

बात करते हैं अपर्णा की। अपर्णा ने जब से बीजेपी ज्वाइन किया वो अपर्णा और उनके समर्थकों को बड़ी उम्मीदें थी जल्द उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। लेकिन ढाई साल तक तो बीजेपी ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी और ढाई साल बाद उन्हें जिम्मेदारी दी तो यूपी महिला आयोग का 'उपाध्यक्ष' बनाया और यहीं से एक बार फिर अपर्णा यादव चर्चा में आ जाती हैं, सोशल मीडिया में उनको लेकर कई तरह की बातें उठने लगती हैं।

उपाध्यक्ष के पद से नहीं हैं संतुष्ट!

अब सवाल उठता है कि क्या सच में अपर्णा यादव नाराज हैं ? क्या अपर्णा यादव को सच में महिला आयोग की उपाध्यक्ष का पद छोटा लग रहा है। क्या यही कारण कि अपर्णा यादव ने अब तक पद ग्रहण नहीं किया ? अपर्णा क्या शिवपाल यादव का आशीर्वाद लेने गईं थीं या सच में वो शिवपाल यादव के रास्ते सपा में वापसी करना चाह रही हैं। ये सब सवाल सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं और अपर्णा के समर्थकों से लेकर सपा के समर्थक भी अपर्णा यादव से सवाल पूछ रहे हैं और उनका सवाल जायज भी है।

अमित शाह से की फोन पर बात

भारतीय जनता पार्टी की नेता अपर्णा यादव ने गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है। यह दावा सूत्रों ने किया है। सूत्रों ने दावा किया कि अपर्णा यादव की गृह मंत्री अमित शाह से बात हुई। फोन पर हुई बातचीत में अपर्णा ने अपनी तकलीफ बयान की। सूत्रों के अनुसार अपर्णा की बात सुनने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने अपर्णा की पूरी बात सुनी और विचार करने की बात कही। बता दें अपर्णा फिलहाल दिल्ली में हैं।

चाचा शिवपाल सिंह यादव से भी मिलीं

अपर्णा यादव सपा महासचिव शिवपाल यादव से मिलने उनके आवास पहुंची थी। जहां उन्होंने शिवपाल यादव और उनकी पत्नी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं। वहीं मीडिया गलियारे में उनको लेकर तमाम चरह की चर्चाएं शुरु हो गई। दावा किया जा रहा है कि अपर्णा यादव यूपी महिला आयोग उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार नहीं हैं, वो एक बार फिर से शिवपाल यादव के रास्ते सपा में अपनी जगह तलाश रहीं हैं।

अपर्णा यादव ने साधी चुप्पी

जब से अपर्णा यादव को महिला आयोग की उपाध्यक्ष बनाया गया है,तब से वे खामोश हैं। योगी सरकार और बीजेपी का फैसला उनके गले नहीं उतर रहा है। जबकि अन्य पदाधिकारी सोशल मीडिया के जरिए पीएम मोदी और सीएम योगी से लेकर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष तक का धन्यवाद कर रहे हैं। लेकिन अपर्णा यादव का अब तक एक भी पोस्ट नहीं आया है,लोग उनके रियक्शन का इंतजार कर रहे हैं। मीडिया में भी उनके रियक्शन को लेकर खलबली मची है लेकिन फिलहाल अभी तक अपर्णा यादव ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी।

भूपेंद्र चौधरी व बेबीरानी मौर्य ने संभाली कमान

वहीं इसको लेकर जब चर्चाएं गर्म हुईं तो यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कमान संभालते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं है वो कहीं नहीं जा रहीं हैं और जहां तक पद ग्रहण करने की बात है अभी तक किसी भी पदाधिकारी ने पद ग्रहण नहीं किया है। सोमवार को सभी पदाधिकारी अपना-अपना पद ग्रहण करेंगी। इन सबके बीच सूत्रों का दावा है कि योगी सरकार में मंत्री बेबी रानी मौर्य ने अपर्णा यादव को मनाने के लिए बात की। बेबी रानी मौर्य यूपी की महिला कल्याण एवं बाल विकास की मंत्री हैं। महिला आयोग इसी विभाग के अंतर्गत आता है। सूत्रों के मुताबिक अपर्णा से बातचीत के दौरान मंत्री बेबी रानी मौर्य ने उनसे कामकाज में पूर्ण अधिकार और स्वतंत्रता देने की बात कही। लेकिन शायद मंत्री बेबी रानी मौर्य की बातचीत से भी बात नहीं बनीं। अपर्णा

यादव अभी भी पद संभालने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि यह पद उनके कद के मुताबिक नहीं है। फिलहाल देखना होगा बीजेपी इस गुत्थी को सुलझाने में कामयाब हो पाएगी या शिवपाल यादव के सहारे अपर्णा की एक बार फिर से सपा में वापसी होगी।

यूपी महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता पर रार!

दरअसल सारा ट्विस्ट अध्यक्ष पद पर ही है। बीजेपी ने यूपी महिला आयोग का अध्यक्ष बबिता चौहान को बनाया है, बबिता चौहान मौजूदा समय में खेरागढ़ से जिला पंचायत सदस्य हैं। बबिता चौहान के पति जितेंद्र चौहान लायंस क्लब इंटरनेशनल में इंटरनेशनल डायरेक्टर हैं। एक जमाने में बबिता चौहान और उनके पति जितेंद्र चौहान समाजवादी पार्टी में थे तब दोनों अकसर सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव से मिलने के लिए आया करते थे। उस दौरान वो दोनों अपर्णा यादव से भी मिलते थे, लेकिन आज समय बदल गया है। आज बबिता चौहान यूपी महिला आयोग की अध्यक्ष और अपर्णा उपाध्यक्ष। बस इन्हीं सब चीजों को देखते हुए अपर्णा के चाहने वालों को ये पद रास नहीं आ रहा है और शायद अपर्णा यादव भी इन्हीं सब चीजों से बीजेपी से नाराज हैं,सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि अगर पद देना ही था तो अपर्णा को महिला आयोग के अध्यक्ष बनाना था न कि उपाध्यक्ष।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।